।।अर्हम् ।।

आचार्यश्री महाप्रज्ञ प्रवास व्यवस्था समिति, श्रीडूँगरगढ़ (बीकानेर)

दूरभाशः 01565-224600, 224900
ई-मेल : jstsdgh01565@gmail.com

साध्वी प्रमुखा कनकप्रभा के 39वें चयन दिवस पर आचार्य महाप्रज्ञ की भविश्यवाणी
जब तक धर्मसंघ मूल में विनम्रता रहेगी तब तक कोई आंच नहीं आयेगी।

श्रीडूँगरगढ़ 12 जनवरी : तेरापंथ धर्मसंघ के द-ाम अनु-ाास्ता आचार्य महाप्रज्ञ ने साध्वी प्रमुखा कनकप्रभा के 39वें चयन दिवस पर सूर्योदय के बाद तेरापंथ भवन आयोजित कार्यक्रम में कहा कि यह मेरी भविश्यवाणी मान लिजिए कि जब तक धर्मसंघ के मूल में विनम्रता रहेगी तब तक धर्मसंघ को कोई आंच नहीं आयेगी। उन्होनें कहा कि मर्यादा निर्माण की अपेक्षा उसका पालन कैसे कराया जाये इस पर आचार्य भिक्षु ने ध्यान केन्द्रित किया। यही कारण है कि आचार्य भिक्षु ने विनम्रता के विकास पर सबसे ज्यादा बल दिया। आचार्य महाप्रज्ञ ने युवाचार्य महाश्रमण और साध्वी प्रमुखाकनकप्रभा की विनम्रता सबके लिए अनुकरणीय बताते हुए कहा कि साध्वी प्रमुखा ने धर्मसंघ ऊंचाई बढ़ाई हैं। हमें धर्मसंघों की ऊंचाई बढ़ाने वाले व्यक्तियों की जरुरत है। उन्होनें इस युग के अनुसार हमें जैसी साध्वी प्रमुखा चाहिए थी वैसी मिली है, आचार्य तुलसी के कथन का उल्लेख करते हुए जीवन को और अधिक उन्नत बनाने का आ-ाीर्वाद प्रदान किया। युवाचार्य महाश्रमण ने कहा कि तेरापंथ में एक अनु-ाासन की सुन्दर व्यवस्था है। चतुर्थ आचार्य जयाचार्य ने साध्वी प्रमुखा पद का सृजन कर आचार्य के लिए सुगमता प्रदान की। उन्होनें साध्वी प्रमुखा जी में स्वयं की साधना में सुदृढ़ता, सुव्यवस्था करने का कौ-ाल, निर्मलता, :ाारीरिक :ाक्ति होने का उल्लेख किया। मुख्य नियोजिका साध्वी विश्रुतविभा ने कु-ाल प्र-ाासक की अर्हताओं पर प्रका-ा डालते हुए कहा कि जिसके मन में छोटों के प्रति स्नेह, वृद्ध के प्रति करुणा, रोगी के प्रति सहानुभूति और बड़ों के प्रति सम्मान का भाव होता है वह कु-ाल प्र-ाासक होता है। साध्वी प्रमुखाश्री इन कसोटियों पर पूर्णरुप से खरे उतरे हैं। इस मौके पर :ाासन गौरव साध्वी राजीमति ने भावभिव्यक्ति दी। साध्वी समुदाय, मुनिवृंद ने गीत के द्वारा वर्धपना की।

सफल नहीं, सार्थक होने का आ-ाीर्वाद दें - साध्वी प्रमुखा कनकप्रभा

साध्वी प्रमुखाकनकप्रभा ने अपने 39वें चयन दिवस पर कहा कि गुरु दृश्टि के अनुसार मुझे कार्य करना है यह लक्ष्य प्रारंभ से आज तक रहा है। इसमें मैं कितनी सफल हुई हूं यह मुझे पता नहीं । इसका परीमाण आचार्य प्रवर ही करा सकते है। उन्होनें कहा कि मैं सफल नहीं होना चाहती, क्योंकि जो सफल बनता है उसकी आगे की संभावनाएं खत्म हो जाती है। इसलिए मुझे सफल नहीं, सार्थक होने का आ-ाीर्वाद दें। हमे-ाा मेरी मंजिल आगे बनी रहे, कभी पीछे न जाये। उन्होनें संपूर्ण साधु-साध्वी समाज से मिली प्रमोद भावना का भी उल्लेख किया। उन्होनें आचार्यप्रवर द्वारा प्रदत दायित्व का सम्यकृत्या निर्वाह करने हेतु आ-ाीर्वाद की कामना की। चयन दिवस के इस कार्यक्रम में आचार्य महाप्रज्ञ ने साध्वी प्रमुखा कनकप्रभा को अपने सम्मुख बाजोट का प्रयोग करने की बक्-ाी-ा प्रदान की और मुख्य नियोजिका साध्वी विश्रुत विभा को लेख पत्र उच्चारण के समय बैठे रहने की बक्-ाी-ा दी। इस मौके पर युवाचार्य महाश्रमण ने साध्वी विश्रुतविभा की कार्य में सक्रियता का भी उल्लेख किया।

जैन विद्या भाग-2 के परीक्षा परिणाम घोशित
धीरत सेठिया जैन विद्या परीक्षाओं की मेरीट लिस्ट में

जैन वि-व भारती के ि-ाक्षा विभाग समण संस्कृति संकाय द्वारा अखिल भारतीय स्तर पर आयोजित जैन सेठिया ने सम्पूर्ण भारत में द्वितीय स्थान अर्जित किया है। 15 वर्शीय इस छात्र के पारिवारिक जनों ने जैसे ही धीरज का नाम मेरीट लिस्ट में देखा तो खु-ाी से झूम उठे। चैनरुप सेठिया के सुपुत्र धीरज से जब सफलता का राज पूछा गया तो उन्होनें ज्ञान-ाला में कराये गये नियमित अध्ययन और आचार्य महाप्रज्ञ के आ-ाीर्वाद को श्रेय दिया।

क्रमः .....(2)

धीरज ने मुनि पीयूश एवं मुनि दीप कुमार के द्वारा मिली प्रेरणा को भी योगभूत बताया। समण संस्कृतिसंकाय से मिली जानकारी के अनुसार जैन विद्या भागा - 2 के परीक्षा परिणाम 92.32 प्रति-ात रहे हैं। इन परीक्षाओं मे ंप्रथम स्थान पर पि-चम विहार दिल्ली की श्रीमति सविता जैन एवं तृतीय स्थान पर बैंगलोर के वि-ाल पोरवार रहे हैं। द्वितीय स्थान प्राप्त करने वाले धीरज सेठिया के कारण श्रीडूँगरगढ़ परीक्षा परीक्षा केन्द्र का नाम संपूर्ण दे-ा में प्रतिश्ठित करने के लिए केन्द्र व्यवस्थापक भैरुदान सेठिया सेठिया की सराहना की। सेठिया के ही परिवार से संदीप सेठिया ने इस परीक्षा में वि-ोश योग्यता अर्जित की एवं प्रतीभा सेठिया ने प्रथम श्रेणी से उतीर्ण होने का गौरव प्राप्त किया है। जैन विद्या परीक्षा समिति से जुड़े मुनि जयंत कुमार ने बताया कि जैन विद्या भाग-1 से भाग 9 तक की परीक्षाओं में प्रतिवर्श 10 हजार विद्यार्थीयों के आवेदन प्राप्त होते हैं। जिनकी परीक्षाएं संपूर्ण दे-ा के 232 परीक्षा केन्द्रों में होती है। उन्होनें बताया कि जैन विद्या के अन्य भागों के परीक्षा परिणाम मर्यादा महोत्सव तक तैयार करने का प्रयास चल रहा है।

15 जनवरी से प्रारंभ होगा वर्धमान महोत्सव

अणुव्रत अनु-ाास्ता आचार्य महाप्रज्ञ, युवाचार्य महाश्रमण के सान्निध्य में 15 जनवरी को प्रातः 9.30 पर तेरापंथ भवन स्थित प्रज्ञासमवसरण में वर्धमान महोत्सव का ;ुभारंभ होगा। तेरापंथ के महाकुंभ के रुप में प्रतिवर्श मनाये जाने मर्यादा महोत्सव में सम्मिलित होने वाले साधु-साध्वियों की संख्या में निरंतर वृद्धि होने और तेरापंथ धर्मसंघ के विकास को मध्यनजर रखते हुए मनाये जाने वाले इस वर्धमान महोत्सव का कार्यक्रम 15,16,17 जनवरी तक आयोजित होगा। इस महोत्सव में बहिर्विहारी साधु-साध्वियों एवं अनेक विशयों के विशे-ाज्ञ मुनि, साध्वियों, समणियों के द्वारा प्रस्तुतियां दी जायेगी। आचार्य महाप्रज्ञ, युवाचार्य महाश्रमण, साध्वी प्रमुखा कनकप्रभा, मुख्या नियोजिका साध्वी विश्रुत विभा के वि-ोश के वक्तव्य होंगे।

सादर प्रका-ानार्थ : -

मीडिया संयोजक /सहसंयोजक